Department of Hindi & Modern Indian Languages
University Of Lucknow
Syllabus for M.A. Hindi Programme
(Proposed to be Implemented from July 2020)

Course No.	Name of the Course	Credit	Remark
	Semester I		
HINCC-101	प्राचीन तथा भक्तिकालीन हिन्दी काव्य	04	Core Course
HINCC-102	रीतिकालीन हिन्दी काव्य	04	Core Course
HINCC-103	हिन्दी साहित्य का इतिहास आरम्भ से रीतिकाल तक	04	Core Course
HINCC-104	हिन्दी साहित्य का इतिहास भारतेन्दु युग से आज तक	04	Core Course
HINCC-105	मीराबाई	04	Core Course
HINVC-101	मध्यकालीन हिन्दी का नीतिकाव्य	04	Value added course(Credited)
	Semester Total	24	
	Semester II		
HINCC-201	भारतीय काव्यशास्त्र	04	Core Course
HINCC-202	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	04	Core Course
HINCC-203	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	04	Core Course
HINCC-204	हिन्दी कथा साहित्य	04	Core Course
HINCC-205	लखनऊ के हिन्दी लेखक और कथाकार	04	Core Course
HINCC-206	लखनऊ के कवि एवं नाटककार	04	Core Course
HINVNC-201	हिन्दी का सर्जनात्मक साहित्य	00	Value added course (Non Credited)
	Semester Total	24	
	Semester III		
HINCC-301	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	04	Core Course
HINCC-302	छायावादोत्तर काव्य	04	Core Course
HINEL-301A/B/C/D/E/F/G/H/I	विशिष्ट कवि एवं रचनाकार A. कबीरदास B. मलिक मुहम्मद जायसी C. सूरदास D. तुलसीदास E. मैथिलीशरण गुप्त F. जयशंकर प्रसाद G.सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला H. प्रेमचन्द I. रामचन्द्र शुक्ल	04	Elective
HINEL-302A/B/C/D/E	विशिष्ट अध्ययन : A. दलित विमर्श एवं दलित साहित्य B. लोक साहित्य C. तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्द–बांग्ला) D. तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्द–तमिल) E. रंगमंच विज्ञान	04	Elective/ MOOC
HININ-301	~~हिन्दी भाषा का व्यावहारिक स्वरूप~~	04	Summer Internship
HINIER-301	प्रयोजनमूलक हिन्दी	04	Interdepartmental Course
	Semester Total	24	
	Semester IV		
HINCC-401	हिन्दी आलोचना साहित्य	04	Core Course
HINCC-402	हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान	04	Core Course
HINEL-401A/B/C	A. स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य B. हिन्दी पत्रकारिता और सम्पादन कला	04	Elective
HINMT-401	लघुशोध प्रबन्ध (न्यूनतम 100 पृष्ठ) और उस पर आधारित मौखिक परीक्षा	08	Master Thesis
HINIRA-401	A. आधुनिक भारतीय साहित्य (हिन्दी में अनुदित रचनाओं पर आधारित)	04	Interdepartmental Course
	Semester Total	24	
	GRAND TOTAL	96	

15/2/2021

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

HINCC-101 **प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन तथा भक्तिकालीन हिन्दी काव्य**

निर्धारित पाठ्क्रम–

1. चन्द्रवरदाई–पद्मावती समय
2. रैदास–रैदास बानी–संपा0 डॉ0 शुकदेव सिंह (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
   निर्धारित अंश–संपूर्ण साखियाँ (कुल 14) तथा पद संख्या–17, 22, 25, 37, 48, 62, 65, 68, 98, 133 (कुल 10 पद)
3. कबीरदास–कबीर ग्रन्थावली–संपा0 श्यामसुन्दरदास (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
   निर्धारित अंश– गुरुदेव को अंग, सुमिरन की अंग, बिरह को अंग, ग्यान विरह को अंग।
4. मलिक मुहम्मद जायसी–जायसी ग्रन्थावली–संपा0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
   निर्धारित अंश–सिंहलद्वीप खण्ड, मानरोदक खण्ड, नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड।
5. सूरदास–भ्रमरगीतसार–संपा0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   निर्धारित अंश (पद संख्या 51 से 150 तक)
6. तुलसीदास– रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर)
   निर्धारित अंश (उत्तरकाण्ड : दोहा संख्या 20 से अंत तक)

इकाई - 1 चन्दवरदाई, रैदास, कबीरदास के निर्धारित अंशों की व्याख्या।

इकाई - 2 जायसी, सूरदास, तुलसीदास के निर्धारित अंशों की व्याख्या।

इकाई - 3 चन्दवरदाई और रैदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 4 कबीर और जायसी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 5 सूरदास और तुलसीदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. पृथ्वीराज रासो एक समीक्षा– डॉ0 बिपिन बिहारी त्रिवेदी
2. पृथ्वीराज रासो के पात्रों की ऐतिहासिकता–डॉ0 कृष्ण चन्द्र अग्रवाल
3. पृथ्वीराज रासो में लोकतत्त्व–प्रो0 परशुराम पाल
4. कबीरदास–डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचंद्र तिवारी
6. सूरदास–डॉ0 हरवंशलाल शर्मा
7. लोकवादी तुलसीदास –डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
8. जायसी–डॉ0 विजयदेवरानायण शाही
9. हिन्दी साहित्य भाग–1, डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा।
10. संत काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन– प्रो0 वासुदेव सिंह

HINCC-102 द्वितीय प्रश्न पत्र : रीतिकालीन हिन्दी काव्य

निर्धारित पाठ्क्रम– रीतिकाव्यधारा– संपादक : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी/डॉ0 रामफेर त्रिपाठी

1. केशवदास– छन्द संख्या–1, 2, 3, 5, 17, 22, 29, 31, 47, 54, 56, 57, 59, 62, 65,
2. बिहारी–दोहा संख्या–1, 2, 4, 10, 12, 14, 15, 16, 17, 21, 22, 27, 28, 31, 32, 33, 38, 39, 44, 46, 48, 50, 53, 59, 60, 63, 66, 69, 70,
3. भूषण–छन्द संख्या–1, 3, 5, 7, 9, 11, 15, 18, 19, 20, 21, 23, 26, 31, 33,
4. देव–छन्द संख्या–2, 3, 6, 8, 10, 14, 19, 26, 28, 33, 39, 40, 43, 48
5. घनानन्द–छन्द संख्या–1, 2, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 19, 22
6. पद्माकर– छन्द संख्या–1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 20, 21, 25, 26

इकाई – 1 केशवदास,बिहारी, भूषण के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ।

इकाई – 2 देव, घनान्द और पद्माकर के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ।

इकाई – 3 केशवदास और बिहारी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 भूषण और देव पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 5 घनान्द और पद्माकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का अतीत–डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. रीतिकालीन कवियों की देन–डॉ0 किशोरीलाल
3. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ0 नगेन्द्र
4. रीतिकाव्य (संग्रह) –डॉ0 जगदीश गुप्त

अनिवार्य

HINCC-103 **तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)**

इकाई – 1 इतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण ।

इकाई – 2 इकाई साहित्य का आदिकाल, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, नाथ-सिद्ध साहित्य, रासो काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ ।

इकाई – 3 भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका योगदान, प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएँ ।

इकाई – 4 भक्तिकालीन सगुणधारा, रामभक्तिशाखा, कृष्णभक्तिशाखा, रामभक्तिशाखा और कृष्णभक्तिशाखा के प्रमुख कवि और काव्यग्रंथ ।

इकाई – 5 रीतिकाल की कालसीमा और नामकरण, लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन काव्यधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) तथा प्रवृत्तियाँ , प्रतिनिधि रचनाकार और विशेषताएँ ।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–डॉ0 रामकुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास–संपादक, डॉ0 नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य संवेदना का विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका, भाग–1,2, – प्रो0 सूर्यप्रसाद दीक्षित

अनिवार्य

HINCC-104 चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से आज तक)

इकाई – 1 आधुनिकता, आधुनिकीकरण, आधुनिकतावाद, आधुनिकता की प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 2 आधुनिककाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भारतेन्दु युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ, द्विवेदी युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ।

इकाई – 3 छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार और रचनाएँ, प्रगतिवाद और नई कविता की विशेषताएँ।

इकाई – 4 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ – नाटक, उपन्यास, निबन्ध, कहानी का विकास।

इकाई – 5 हिन्दी आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा और रिपोर्ताज का विकास।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. आधुनिक हिन्दी का आदिकाल–श्री नारायण चतुर्वेदी
2. हिन्दी का गद्य–साहित्य–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
3. छायावाद–डॉ0 नामवर सिंह
4. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका भाग–3, –प्रो0 सूर्यप्रसाद दीक्षित

HINCC- 105 मीराबाई

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी

इकाई–I : व्याख्या : प्रथम पचास पद

इकाई–II : व्याख्या : शेष पचास पद

इकाई–III : मीरा की काव्यवस्तु पर आधारित दीर्घ प्रश्न

इकाई–IV : मीरा की काव्यभाषा एवं काव्यशिल्प पर आधारित दीर्घ प्रश्न

इकाई– V : मीरा के प्रमुख आलोचक और आलोचना–शिव कुमार मिश्र, विश्वनाथ त्रिपाठी, मैनेजर पाण्डेय, रोहिणी अग्रवाल आदि पर आधारित प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. भक्तिकाव्य और लोकजीवन–शिवकुमार मिश्र

HINVC 101 मध्यकालीन हिन्दी का नीति काव्य

निर्धारित पाठ्यक्रम

(क) कबीरदास – 30 दोहे

कबीर ग्रन्थावली, सम्पादक– श्यामसुन्दर दास, प्रकाशक– नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी,
गुरुदेव का अंग–22, सुमिरन को अंग–10, चितावणी को अंग– 9,12,13, 27,34, 54, 55, मन को अंग– 27, माया को अंग–11, चाँणक को अंग–8, कथनी बिना करनी को अंग–4,
कामी नर को अंग–3, भेष को अंग– 12, कुसंगति को अंग–2,7, संगति को अंग–7, साधु को अंग–1, साधु महिमा को अंग–1, उपदेश को अंग–9, बेसास को अंग–10, सूरातन को अंग– 21, काल को अंग–14, 19,25, पारिख को अंग–1,2,3, निन्दा को अंग–3

(ख) गोस्वामी तुलसीदास –30 दोहे

दोहावली– गीता प्रेस, गोरखपुर

दोहा संख्या– 52, 54,103, 185, 271, 318, 332, 333, 337, 338, 341, 344, 347, 352, 357, 364, 369, 372, 376, 378, 386, 388, 400, 401, 404, 414, 421, 429, 437, 444

(ग) रहीम – 30 दोहे

रहीम ग्रन्थावली, सम्पादक–विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी प्रकाश, दिल्ली।

दोहा संख्या– 5, 6, 7, 20, 25, 32, 33, 35,43, 46, 47, 49, 59, 62, 67, 68, 74, 79, 81, 82, 84, 85, 93, 109, 178, 184, 193, 211, 215, 249।

(घ) वृन्द – 30 दोहे

हिन्दी काव्य गंगा, सम्पादक–सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

दोहा सख्या – 1, 2, 3, 5, 6 ,7, 8, 9, 10, 12, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 28, 29, 31, 32, 35, 36, 38, 39,

(ङ) गिरिधर कविराय – 10 छन्द

हिन्दी काव्य गंगा, सम्पादक–सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी बिहरी रत्नाकर

छन्द संख्या – 1, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14

(च) बिहारी– 30 दोहे

बिहारी रत्नाकर–संपादक–जगन्नाथ दास रत्नाकर, रत्ना पब्लिकेशन वाराणसी

दोहासंख्या –38, 51, 59, 141, 151, 181, 191, 192, 228, 235, 251, 255, 271, 274, 300, 303, 311, 321, 331, 351, 357, 381, 396, 429, 432, 434, 435, 437, 438, 584

इकाई –एक – कबीरदास, तुलसीदास के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ
इकाई– दो – रहीम, वृन्द के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ
इकाई– तीन – बिहारी, गिरिधर कविराय के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ
इकाई– चार – कबीरदास, तुलसीदास, रहीम पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई– पाँच – वृन्द, बिहारी, गिरिधर कविराय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. मध्ययुगीन काव्य साधना–डॉ0 रामचन्द तिवारी
2. बिहारी की वाग्विभूति–बिहारी, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. तुलसी काव्य मीमांसा–डॉ0 उदयभानु सिंह
4. लोकवादी तुलसी–विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका–भाग–2, प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर

HINCC-201 **प्रथम प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र**

इकाई - 1 काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा।

इकाई – 2 रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, अलंकार संप्रदाय का परिचय और अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई – 3 रीति-सिद्धान्त - रीति-परिचय, काव्य-गुण, रीति-वर्गीकरण। वक्रोक्ति सिद्धान्त का परिचय, वर्गीकरण, वक्रोक्ति तथा अभिव्यंजनावाद।

इकाई – 4 ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि का स्वरूप , ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि-काव्य का महत्त्व, शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना) औचित्य सिद्धान्त- परिचय भेद तथा महत्त्व।

इकाई – 5 हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकालीन प्रमुख आचार्य (केशवदास, भिखारीदास), हिन्दी के प्रमुख आलोचक :

(रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. राम विलास शर्मा)।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. काव्य शास्त्र– भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ0 नगेन्द्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास–विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र : नव मूल्यांकन– डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– शिवकुमार मिश्र
6. हिन्दी आलोचना–विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ– निर्मला जैन
8. आलोचना की सामाजिकता–मैनेजर पाण्डेय

अनिवार्य

HINCC-202 **द्वितीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

इकाई – 1 प्लेटो के काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, लोन्जाइनस की उदात्त अवधारणा।

इकाई – 2 वर्ड्सवर्थ की काव्यभाषा – सिद्धान्त,कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, मैथ्यू आर्नाल्ड के काव्य सिद्धान्त।

इकाई – 3 टी. एस. इलियट का निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त एवं सम्प्रेषण सिद्धान्त।

इकाई – 4 शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद।

इकाई – 5 अस्तित्ववाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, विखंडनवाद,आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र–तारकनाथ बाली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र–देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. हिन्दी समीक्षा के स्वरूप और सन्दर्भ– रामदरश मिश्र
4. नयी समीक्षा के प्रतिमान–निर्मला जैन
5. नयी समीक्षा के प्रतिमान पाश्चात्य साहित्य चिन्तन– निर्मला जैन

HINCC-२०3 तृतीय प्रश्न पत्र : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई – 1	'चिन्तामणि भाग -1' तथा 'अशोक के फूल' के निर्धारित निबन्धों से व्याख्याएँ।
इकाई – 2	'चन्द्रगुप्त' तथा 'पथ के साथी' से व्याख्यएँ।
इकाई – 3	'चिन्तामणि भाग -1' तथा 'अशोक के फूल' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई – 4	चन्द्रगुप्त' तथा 'पथ के साथी' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई – 5	'आवारा मसीहा' तथा 'अन्या से अनन्या' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास– दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक : रंग और दिशाएं– गिरीश रस्तोगी
3. प्रसाद के नाटकों में संवादीय संरचना–सिद्धनाथ कुमार
4. नाटक का रंग विधान– विश्वनाथ त्रिपाठी
5. नाट्यालोचना के सिद्धान्त–सिद्धनाथ कुमार

0

अनिवार्य

HINCC-204 **चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी कथा साहित्य**

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. गोदान (उपन्यास)– प्रेमचन्द
2. मैला आँचल (उपन्यास)–फणीश्वरनाथ रेणु
3. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास)– हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कहानियाँ :
   i. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
   ii. ईदगाह– प्रेमचन्द
   iii. पुरस्कार– जयशंकर प्रसाद
   iv. परदा – यशपाल
5. हिन्दी कहानी संग्रह : सम्पादक–भीष्म साहनी
   निर्धारित कहानियाँ–
   i. लाल पान की बेगम– फणीश्वरनाथ रेणु
   ii. दोपहर की भोजन – अमरकान्त
   iii. खोई हुई दिशाएँ– कमलेश्वर
   iv. परिन्दे – निर्मल वर्मा
   v. त्रिशंकु– मन्नू भण्डारी
   vi. वापसी – उषा प्रियम्वदा

इकाई – 1 'गोदान' तथा 'मैला आँचल' उपन्यास से व्याख्याएँ।

इकाई – 2 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास से व्याख्याएँ।

इकाई – 3 'गोदान' तथा 'मैला आँचल' उपन्यास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास तथा प्रथम चार कहानियों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 5 हिन्दी कहानी संग्रह पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी उपन्यास का विकास–गोपाल राय
2. प्रेमचन्द और उनका युग–डॉ0 रामविलास शर्मा
3. स्वातन्त्र्योत्तर कथा साहित्य–विश्वम्भनाथ उपध्याय
4. आधुनिक उपन्यास : विविध आयाम–विवेकीराय
5. हिन्दी कहानी का विकास– मधुरेश

HIN CC-205 लखनऊ के हिन्दी लेखक और कथाकार

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. अमृतलाल नागर – गदर के फूल
2. यशपाल – झूठा सच
3. कामतानाथ – पिघलेगी बर्फ
4. श्रीलाल शुक्ल – राग दरबारी
5. कहानियाँ :
   - भगवतीचरण वर्मा – प्रायश्चित
   - मुद्राराक्षस – दिव्यदाह
   - शिवमूर्ति – कसाई बाड़ा
   - अखिलेश – जलडमरूमध्य

   इकाई–1 : खण्ड – 1, 2, 3 से व्याख्याएँ।
   इकाई–2 : खण्ड – 4, 5 से व्याख्याएँ।
   इकाई–3 : खण्ड – 1 एवं 2 से दीर्घ प्रश्न।
   इकाई–4 : खण्ड – 3 एवं 4 से दीर्घ प्रश्न।
   इकाई–5 : निर्धारित कहानियों पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी कहानी एक अन्तर्यात्रा–वेद प्रकाश अमिताभ
2. भारतीय स्वतन्त्रता और हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष –डॉ0 रामदरश मिश्र
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति– देवीशंकर अवस्थी

HINCC-206 लखनऊ के कवि एवं नाटककार

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1.	कुँवर नारायण –	माध्यम, समुद्र की मछली, जब आदमी आदमी नहीं रह पाता, लखनऊ, आजकल कबीरदास, प्यार की भाषाएँ।
2.	नरेश सक्सेना –	गिरना, सुनो चारूशीला, एक वृक्ष भी बचा रहे, कॉंक्रीट, पार, ईश्वर की औकात।
3.	मुद्राराक्षस –	तिलचट्टा (नाटक)।
4.	सुशील कुमार सिंह –	सिंहासन खाली है।
5.	लखनऊ का नाट्यकर्म :	परम्परा एवं प्रमुख नाट्यकर्मी, उर्मिला थपलियाल, राकेश, सूर्यमोहनकुलश्रेष्ठ आदि।

इकाई –1 : खण्ड– 1 एवं 2 से व्याख्याएँ
इकाई –2 : खण्ड – 3 एवं 4 से व्याख्याएँ
इकाई –3 : खण्ड– 1 एवं 2 पर आधारित दीर्घ प्रश्न।
इकाई –4 : खण्ड – 3 एवं 4 पर आधारित दीर्घ प्रश्न।
इकाई –5 : खण्ड– 5 पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. समकालीन हिन्दी नाटककार–गिरीश रस्तोगी
2. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच– नेमिचन्द्र जैन
3. हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचन–गिरीश रस्तोगी
4. आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ–डॉ0 रामदरश मिश्र
5. कवि कह गया है– अशोक बाजपेयी

HINVNC-201 हिन्दी का सर्जनात्मक साहित्य

इकाई -1 हिन्दी काव्य :- प्रसाद – बीतीविभावरी जाग री, निराला – तोड़ती पत्थर, अज्ञेय –मैंने आहुति बनकर देखा, नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – तुम्हारे साथ रहकर, दुष्यन्त कुमार – हो गई है पीर पर्वत सी।

इकाई – 2 हिन्दी कहानी : प्रेमचन्द – बड़े भाई साहब, प्रसाद – आकाशदीप, यशपाल – परदा, भीष्म साहनी – चीफ की दावत, अमरकान्त – दोपहर का भोजन, उषा प्रियंवदा – वापसी, काशीनाथ सिंह – अपना रास्ता लो बाबा।

इकाई -3 हिन्दी निबन्ध : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – कछुआ धर्म, बालमुकुन्द गुप्त – पीछे मत फेंकिये, हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते हैं ?, विनोबा भावे – जीवन और शिक्षण, महादेवी वर्मा – नारी का अभिशाप, प्रेमचन्द – महाजनी सभ्यता।

इकाई – 4 हिन्दी गद्य विधाएँ – हरिशंकर परसाई – ठिठुरता हुआ गणतंत्र, अज्ञेय – बहता पानी निर्मला, रेणु – कुत्ते की आवाज, जगदीशचन्द्र माथुर – भोर का तारा, महादेवी वर्मा – गिल्लू, तुलसीराम – चले बुद्ध की ओर।

इकाई – 5 हिन्दी उपान्यास – प्रेमचन्द – निर्मला।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी का गद्य–साहित्य–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. समकालीन कविता का यथार्थ– परमानन्द श्रीवास्तव
3. आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ–डॉ0 रामदरश मिश्र
4. कवि कह गया है– अशोक बाजपेयी
5. हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचन–गिरीश रस्तोगी
6. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति– देवीशंकर अवस्थी
7. हिन्दी कहानी का इतिहास–गोपाल राय
8. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया–परमानन्द श्रीवास्तव
9. हिन्दी उपन्यास का इतिहास–गोपाल राय

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

HINCC-301 **प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)**

पाठ्यक्रम

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग), 2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा सर्ग और लज्जा सर्ग), 3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – राम की शक्ति पूजा, सरोज-स्मृति, 4. सुमित्रानंदन पंत – रश्मिबन्ध (परिवर्तन, नौकाविहार, मौन निमंत्रण), 5. महादेवी वर्मा – दीपशिखा (दीप मेरे जल अकंपित, पंथ होने दो अपरिचित) 6. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – विप्लव गायन, हम अनिकेतन।

इकाई – 1 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई – 2 सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई – 3 मैथिलीशरण गुप्त और जयशंकर प्रसाद पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और सुमित्रानंदन पंत पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 5 महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. छायावाद की प्रासंगिकता– रमेशचन्द्र शाह
2. हिन्दी स्वछन्दतावादी काव्य–डॉ0 प्रेमशंकर
3. कल्पना और छायावाद– केदारनाथ सिंह
4. आधुनिक कविता यात्रा–रामस्वरूप चतुर्वेदी

C

अनिवार्य

HINCC-302 द्वितीय प्रश्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य

पाठ्यक्रम

1. रामधारी सिंह 'दिनकर' – कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग), 2. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – असाध्य वीणा, 3. गजानन माधव 'मुक्तिबोध' – अंधेरे में, 4. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' – बादल को घिरते देखा, सिंदूर तिलकित भाल, 5. केदारनाथ अग्रवाल - फूल नहीं रंग बोलते हैं – 1 (चन्द्र गहना से लौटती बेर), सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' – लोहे का स्वाद।

इकाई – 1 रामधारी सिंह 'दिनकर' , सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' और गजानन माधव 'मुक्तिबोध' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई – 2 वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन', केदारनाथ अग्रवाल और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई – 3 रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' और वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न

।

इकाई – 5 केदारनाथ अग्रवाल और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. आलोचना का पक्ष– रमेशचन्द्र शाह
2. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान–केदानाथ सिंह
3. हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान– मैनेजर पाण्डेय
4. नई कविता की चेतना–डॉ0 जगदीश कुमार

HINEL-301 विशिष्ट कवि / रचनाकार

(A) कबीरदास

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ–

कबीरदास ग्रथावली–संपादक : श्याम सुन्दरदास

इकाई एक तथा दो : व्याख्या– कबीरदास ग्रन्थावली (1 से 30 अंग साखी, आरम्भिक 10 पद)

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का व्यक्तित्व, कबीरदास का समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीरदास का रहस्याद, कबीरदास की लोकप्रियता, कबीरदास की प्रासंगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, कबीर की भाषा, कबीरदास के काव्यरूप, साखी, सबद, रमैनी, उलटबांसी, कबीरदास के प्रतीक, कबीरदास के राम, हठयोग, कुण्डलिनी जागरण, सद्‌गुरु की विशेषता, अजपाजप, सहस्रार, अनहदनाद सुरति–निरति, उन्मनी अवस्था, षट्‌चक्र, कबीर की भक्ति।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. कबीर–हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर मीमांसा– रामचन्द्र तिवारी
3. कबीर एक नई दृष्टि– डॉ0 रघुवंश

(B) मलिक मुहम्मद जायसी

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ : जायसी ग्रंथावली – संपादक : डा० [illegible] शुक्ल

इकाई एक तथा दो : व्याख्या–पद्‌मावत (सम्पूर्ण)

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचना प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : हिन्दी सूफी, काव्यपरम्परा और जायसी, जायसी का जीवनवृत्त और कृतित्व, जायसी की गुरु परम्परा, सूफी शब्द की व्युत्पत्तिपरक अवधारणा, मसनवी पद्धति, जायसी का रहस्यवाद, जायसी की दार्शनिक मान्यताएँ, जायसी, जायसी की काव्यकला, जायसी का विरह–वर्णन, जायसी का प्रेम–निरुपण, जायसी का प्रकृति–चित्रण, पद्‌मावत का काव्यरूप, पद्‌मावत की भाषा, पद्‌मावती –अन्योक्ति अथवा समासोक्ति, पद्‌मावत में इतिहास और अध्यात्म, पद्‌मावत में भारतीय एवं मसनवी प्रेम–पद्धति, पद्‌मावती और नागमती का चरित्र–चित्रण, जायसी ग्रन्थावली में संकलित 'पदमावत' मे खण्ड –विभाजन, बारहमासा का वैशिष्ट्य, नखशिख तथा शिखनख वर्णन, पद्‌मावत में निहित महत्त्वपूर्ण उक्तियाँ एवं सूक्तियाँ।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. जायसी–विजयदेवनारायण साही
2. जायसी–डॉ0 रामपूजन तिवारी
3. जायसी का काव्यशिल्प– डॉ0 दर्शनलाल सेठी
4. जायसी के परवर्ती हिन्दी सूफीकवि और काव्य–डॉ0 सरला शुक्ल

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ : सूरसागर

(C) सूरदास

इकाई एक तथा दो : व्याख्या– 'सूरसागर' संपादक–डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

इकाई तीन तथा चार व पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति भावना, सूर का दार्शनिक चिन्तन, सूर का प्रामाणिक जीववृत्त, सूर की प्रामाणिक कृतियाँ, सूरसागर, स्कंधात्मक अथवा संग्रहात्मक–कौन अधिक प्रामाणिक, सूर का प्रकृति वैभव / सूर का वात्सल्य, सूर का शृंगार वर्णन, सूर काव्य में वर्णित ब्रज संस्कृति, गोचारण संस्कृति / कृषक संस्कृति, भ्रमरगीत परम्परा में सूर का भ्रमरगीत, गोपियों का प्रेम वर्णन, सहदयता और वाग्वैदग्ध्य, सूरसागर पर प्रभावत का प्रभाव, सूरसागर की भाषिक संवेदना, सूरसागर का भाषा–शिल्पगत सौन्दर्य, सूर की सौन्दर्य चेनता, भ्रमरगीत में निर्गुण–सगुण, सूर की दृष्टकूट पद, सूर साहित्य : रीति साहित्य की प्रयोगशाला, सूर साहित्य में गीतात्मकता, सूरसारावली की प्रामाणिकता, कृष्ण का ऐश्वर्य एवं रस रूप, अष्टसखा, वार्ता साहित्य, रास, राधा, मुरली, दधि लीला और दान लीला का प्रतीकार्थ, सूरसागर में प्रगतिशील तत्त्व।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. सूरदास–हरवंशलाल शर्मा
2. सूरदास और उनका साहित्य– हरवंशलाल शर्मा
3. भक्तिकाव्य और लोक जीवन– शिवकुमार मिश्र
4. सूरदास और कृष्णभक्तिकाव्य– मैनेजर पाण्डेय

(D) तुलसीदास

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ–

रामचरितमानस, गीतावली, श्रीकृष्णगीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका।

इकाई एक तथा दो : व्याख्या–रामचरितमानस–(अयोध्याकांड, सुन्दरकाण्ड), कवितावली–उत्तरकाण्ड।

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : तुलसीदास और उनका युग, तुलसीदास का जीवन–वृत्त (अंतःसाक्ष्य और बाह्य साक्ष्य के आधार पर) तुलसी की प्रामाणिक कृतियाँ, विनयपत्रिका में विनय भावना / शीर्षक की सार्थकता, कृष्णगीतावली का वर्ण्य विषय / उपालम्भ, गीतावली में गीतितत्त्व, वात्सल्य वर्णन, कवितावली में भाव–वैभव और शिल्प–सौष्ठव, बरवै रामायण का शिल्प विधान और प्रस्तुतिकौशल, मानस का अंगी रस, तुलसी काव्य में नीति तत्त्व, तुलसी की भायप भक्ति, मानस के चार मनोहर घाट, तुलसी के काव्य में रामराज्य की अवधारणा, तुलसी का कलिकाल, निरुपण, ज्ञान–भक्ति, निरुपण, तुलसी काव्य की शैलियाँ, तुलसी का

संत–असंत निरूपण, तुलसी का दास्य भाव, मानस का काव्य रूप, तुलसीदास की भक्तिभावना, तुलसीदास के दार्शनिक विचार, तुलसीदास का समन्वयवाद, तुलसी की नारी विषयक अवधारणा, तुलसी काव्य में लोकतत्त्व एवं लोकमंगल, तुलसी काव्य का शिल्प विधान, तुलसीदास की लोकप्रियता का आधार और साहित्यिक वैशिष्ट्य, तुलसीदास का लोकनायकत्व।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. त्रिवेणी– रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी काव्य मीमांसा– उदयभानु सिंह
3. लोकवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी

(E) मैथिलीशरण गुप्त

इकाई एक तथा दो : व्याख्या – साकेत तथा भारत–भारती

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : द्विवेदी युग और मैथिलीशरण गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय, साहित्यिक यात्रा, काव्य वैशिष्ट्य, राष्ट्रीय भावना (भारत–भारती के विशेष संदर्भ में) नारी भावना (यशोधरा, द्वापर, विष्णुप्रिया के विशेष संदर्भ में), नवीन प्रयोग, वैष्णव भावना, पारिवारिक दृष्टि, सामाजिक विधान, साकेत का नामकरण, उद्देश्य, नायकत्व, मौलिक उदभावनाएँ, महाकाव्यत्व, विरह वर्णन, नवम सर्ग का काव्य वैशिष्ट्य, 'भारत–भारती' का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, 'यशोधरा' का प्रतिपाद्य, काव्य वैशिष्ट्य, चरित्र–चित्रण, शिल्पगत प्रयोग 'विष्णुप्रिया' का काव्य वैशिष्ट्य एवं चरित्र–चित्रण, 'द्वापर' का काव्य वैशिष्ट्य, 'द्वापर' में शिल्प प्रयोग, विधृता, बलराम, नारद, कुब्जा प्रसंग की मूल भावना एवं चारित्रिक विधान।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. मैथिलीशरण गुप्त– रेवतीरमण
2. साकेत एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ0 नगेन्द्र
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग– डॉ0 रामविलास शर्मा

(F) जयशंकर प्रसाद

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ–

इकाई एक तथा दो : व्याख्या– कामायनी (चिन्ता, आशा, श्रद्धा, इड़ा, रहस्य और आनन्द सर्ग), स्कन्दगुप्त।

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : छायावाद और प्रसाद, प्रसाद का जीवनवृत्त और कृतित्व, 'कामायनी' की ऐतिहासिकता, दार्शनिक पृष्ठभूमि, रूपक तत्व,रहस्यवाद,

आधुनिक संदर्भ में कामायनी का वस्तु–विधान, काव्यरूप। 'आंसू–व्यष्टि एवं समष्टि, काव्यगत–सौन्दर्य, आलम्बन और बिरह वेदेना। 'लहर' की लम्बी कविताओं– 'अशोक की चिन्ता', 'शेरसिंह का आत्मसमर्पण, 'पेशोला की प्रतिध्वनि' और 'प्रलय की छाया' में निहित भावगत–शिल्पगत वैविध्य एवं प्रतिपाद्य, प्रसाद का प्रेम और सौन्दर्य। प्रसाद की नाट्यकला, 'स्कन्दगुप्त' नाटक–अंतर्वस्तु, चरित्रांकन, उद्देश्य एवं मंचीयता। 'काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध' प्रसाद की निबन्ध कला का वैशिष्ट्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. प्रसाद– प्रेमशंकर
2. प्रसाद और कामायनी–डॉ0 नगेन्द्र
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– रास्वरुप चतुर्वेदी

(G) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ–

कइाई एक तथा दो : व्याख्या–तुलसीदास, परिमल (मौन,खेवा, निवेदन,प्रार्थना, प्रभाती, शेष, यमुना के प्रति, तुम और मैं, बादलराग–1 से 6, जागो फिर एक बार–1 और 2)

इकाई तीन, चार तथा पॉच : आलाचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : छायावाद और निराला, निराला का जीवन अवरेख, निराला की काव्य कृतियाँ, निराला की गद्य कृतियाँ, निराला का मुक्त छन्द, कुकुरमुत्ता का केन्द्रीय विषय, निराला की लम्बी कविताएँ, 'जागो फिर एक बार' में जागरण का आशय, शोक गीत, उपन्यासकार निराला, निराला का आत्मकथा, प्रकृतिपरक रचनाएँ, दार्शनिक रचनाएँ, प्रेम और सौन्दर्यपरक रचनाएँ, निराला, वैविध्य के कवि, निराला की दार्शनिक विचारधारा, निराला का प्रगतिवादी काव्य, निराला का छायावादी काव्य, राष्ट्रीय चेतना के कवि निराला, निराला के काव्य में गीतितत्व, निराला के काव्य का भाषिक वैशिष्ट्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. निराला की साहित्य साधना– भागा–1,2– डॉ0 रामविलास शर्मा
2. निराला : कृति से साक्षात्कार– नन्द किशोर नवल
3. क्रान्तिकारी निराला– बच्चन सिंह

(H) प्रेमचन्द

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ–

इकाई एक तथा दो : व्याख्या–निर्मला, सेवासदन, मानसरोवर भाग-1.

इकाई तीन, चार तथा पॉच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : प्रेमचंद और उनका युग, कथासम्राट प्रेमचंद का अवदान, गबन के पात्र, सेवासदन के पात्र, प्रेमाश्रय का केन्द्रीय विषय, निर्मला की चारित्रिक विशेष्ताएँ, जालपा की चारित्रिक विशेषताएँ, सुमन की चारित्रिक विशेषताएँ, संपादक रूप में प्रेमचंद, प्रेमचंद्र की कहानियों की विशेषताएँ, प्रेमचन्द युगीन कथाकार, प्रेमचंद के प्रमुख आलोचक, प्रेमचंद की भाषा, प्रेमचंद के साहित्य में ग्राम्य एवं कृषक जीवन, प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री विमर्श, समाज–मनोविज्ञान, प्रेमचन्द के उपन्यासों का कथातात्विक विवेचन, प्रेमचंद के साहित्य में भारतीय समाज, प्रेमचन्द और गांधी, प्रेमचंद के उपन्यासों की प्रगतिशील चेतना, प्रेमचंद के साहित्य में आम आदमी, प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ, प्रेमचंद की भाषा और उनकी भाषायी दृष्टि।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. प्रेमचन्द और उनका युग–डॉ0 रामविलास शर्मा
2. प्रेमचन्द के उपन्यास और शिल्प–कमलकिशोर गोयनका
3. प्रेमचन्द : विरासत का सवाल– शिवकुमार मिश्र
4. प्रेमचन्द की विरासत– राजेन्द्र यादव
5. प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त–नरेन्द्र कोहली

(I) रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ–

इकाई एक तथा दो : व्याख्या–चिन्तामणि भाग–1

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : आधुनिक हिन्दी निबन्ध और रामचंद्र शुक्ल, आलोचक रामचंद्र शुक्ल, इतिहासकार रामचंद्र शुक्ल, शुक्लयुगीन निबंधकार, शुक्लयुगीन आलोचक, संपादक के रूप में आचार्य रामचंद्र शुक्ल, करुणा का केन्द्रीय विषय, 'श्रद्धा–भक्ति' का प्रतिपाद्य, शुक्ल जी की दृष्टि में कविता, हृदय की मुक्तावस्था, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय, हिन्दी आलोचना के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान, आलोचना विषयक शुक्ल जी की मान्यता, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध दृष्टि (विषयगत और विषयीगत), परवर्ती हिन्दी आलोचना पर रामचंद्र शुक्ल का प्रभाव, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना के समीक्षक।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना– डॉ0 रामविलास शर्मा
2. बौद्धिक उपनिवेशवाद की चुनौती और रामचन्द्र शुक्ल– शम्भुनाथ
3. आलोचना का पक्ष– रमेशचन्द्र शाह

HINEL-302 द्वितीय प्रश्न पत्र : विशिष्ट अध्ययन

➢ निम्नलिखित में किसी एक का चयन करना होगा।

A दलित विमर्श एवं दलित साहित्य

B लोक साहित्य (निर्धारित पाठ्यक्रम – संलग्न)

~~पाठालोचन (निर्धारित पाठ्यक्रम – संलग्न)~~

C तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-बंगला) (निर्धारित पाठ्यक्रम – संलग्न)

D तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-तमिल) (निर्धारित पाठ्यक्रम – संलग्न)

~~तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-मराठी) (निर्धारित पाठ्यक्रम – संलग्न)~~

E रंगमंच विज्ञान (निर्धारित पाठ्यक्रम – संलग्न)

(A) दलित विमर्श एवं दलित साहित्य

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ : शम्बूक (खण्डकाव्य)– डॉ0 जगदीश गुप्त। (केवल तीन अंक–प्रतिपक्ष, छिन्नशीश, आत्मकथ्य) भीमचरित गाथा (महाकाव्य) महेश प्रसाद श्रमिक (केवल दो अंक–पूना पैक्ट, संविधान)

कविताएँ : न्याय की पुकार, सदियों से, कौन है ये लोक– डॉ0 सोहनपाल सुमनाक्षर
तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ? – कँवल भारती
रात में डूबे लोग– मोहनदास नैमिशराय
सुनो ब्राह्मण, मैं आदमी हूँ आखिरी जंग–मलखान सिंह
ठाकुर का कुआँ, खामोश आहटें, वे नहीं जानते–ओमप्रकाश वाल्मीकि
प्रतिरोध, तुम छोड़ सकोगे, धूर्तता का पहाड़– असंगघोष

कहानियाँ : घुसपैठिए– ओमप्रकाश वाल्मीकि
परिवर्तन की बात–सूरजपाल चौहान
सुरंग–डॉ0 दयानन्द बटोही
चतुरी चमार की चाट–बी0एल0नायर
संघर्ष–सुशीला टाकभौरे
फुलवा–रत्न कुमार साँवरिया
समय के शिलालेख–कुसुम मेघवाल
हारे हुए लोग–मोहनदास नैमिशराय
काँच–विपिन बिहारी
तमाशा–डॉ0 जयप्रकाश कर्दम

आत्मकथा : जूठन– ओमप्रकाश वाल्मीकि (केवल व्याख्या हेतु)
मुर्दहिया – डॉ0 तुलसीराम (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)
मेरा बचपन मेरे कंधों पर– डॉ0 श्यौराज सिंह 'बेचैन' (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)

उपन्यास : छप्पर–डॉ0 जयप्रकाश कर्दम (केवल व्याख्या हेतु)
थमेगा नहीं विद्रोह– उमराव सिंह जाटव (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई एक : व्याख्या–सम्पूर्ण कविताएँ तथा आत्मकथा (जूठन)

इकाई दो : व्याख्या–सम्पूर्ण कहानियाँ तथा उपन्यास (छप्पर)

इकाई तीन, चार व पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु : समकालीन विमर्श और दलित विमर्श– अभिप्राय, अवधारणा, इतिहास–विचारात्मक पृष्ठभूमि, दलित विमर्श–विविध संदर्भ एवं भूमिका, दलित विमर्श के प्रेरणास्रोत, दलित विचार, अन्य सामाजिक, संस्कृति, संस्कृति आन्दोलन–बौद्ध साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य एवं संत साहित्य, दलित चेतना, अस्मिता का प्रश्न और गैरदलित साहित्य, दलित साहित्य की प्रामाणिकता। स्वानुभूति–सहानुभूति का प्रश्न, दलित साहित्य के सामाजिक–सांस्कृतिक सरोकार प्रमुख प्रवृत्तियाँ, दलित साहित्य के सौन्दर्य तत्त्व दृष्टिकोण, वस्तु एवं प्रतिमान, अभिव्यक्ति, भाषा, आलोचना।

हिन्दी दलित कविता : अस्तित्व एवं अस्मिता का प्रश्न, हिन्दी दलित कथा साहित्य–संदर्भ और कथावस्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का वैशिष्ट्य, दलित आत्मकथा–सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक जीवन के दस्तावेज।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र–डॉ0 ओमप्रकाश वाल्मीकि
2. दलित साहित्य के प्रतिमान–डॉ0 एन0 सिंह
3. डॉ0 अम्बेडकर : वैचारिकी और दलित विमर्श– प्रो0 कालीचरण 'स्नेही'
4. दलित दुनिया– प्रो0 कालीचरण 'स्नेही'
5. हिन्दी दलित कविता : नये सन्दर्भ– डॉ0 टी0 पी0 राही
6. आज के आइने में राष्ट्रवाद– संपा0 डॉ0 रविकान्त

(B) लोकसाहित्य

इकाई एक :	लोक, लोकवार्ता और लोक साहित्तय, लोकवार्ता : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्त्व, लोक साहित्य : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्त्व, लोकसंस्कृति, लोकमानस, लोकसंगीत, लोकविश्वास, लौकिक रीतिरिवाज एवं परम्पराएँ, लोकसाहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध।
इकाई दो :	लोकसाहित्य के विभिन्न रूपों का वर्गीकरण–लोकगाथा (परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति तथा विशेषताएँ), ढोला–मारू, गोपीचन्द्र, भरथरी, नल–दमयन्ती लैला–मजनूं, हीर राँझा, मस्सी–पुन्नू, सोहनी–महिवाल, लोरिक–चन्दा, आल्हा तथा हरदौल।
इकाई तीन :	लोकगीत–परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ, श्रम–लोकगीत, संस्कार–लोकगीत, ऋतु–लोकगीत, जाति तथा देवी–देवताओं से सम्बन्धित लोकगीत, लोककथा– (परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ), लोक कथा, व्रत–कथा, परी–कथा तथा कथानक रूढ़ियाँ। लोकनाट्य– (परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति, परम्परा तथा विशेषताएँ), नौटंकी, विदेसिया, रामलीला, रासलीला, भवाई, भांड, तमाशा, जात्रा तथा कथकलित। प्रकीर्ण साहित्य (परिभाषा, वर्गीकरण और विशेषताएँ), कहावत, लोकोक्ति, मुहावरा और बुझौवल।
इकाई चार :	लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी साहित्य और भाषा के विकास में लोकसाहित्य का योगदान, लोकसाहित्य के अध्येताओं का प्रदेय– पं0 रामनरेश त्रिपाठी, डॉ0 सत्येन्द्र, डॉ0 श्याम परमार, डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय तथा देवेन्द्र सत्यार्थी।
इकाई पाँच :	अवधी लोकसाहित्य : अवधी लोकसाहित्य का कलात्मक एवं वैचारिक वैशिष्ट्य। लोकगीत– संस्कार– लोकगीत, श्रम– लोकगीत, ऋतु–लोकगीत तथा देवी–देवताओं से सम्बन्धित लोकगीत। लोक साहित्य के संकलन में आने वाली कठिनाइयाँ एवं निवारण के उपाय।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. लोक साहित्य की भूमिका–डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य– डॉ0 श्याम परमार
3. लोक साहित्य विज्ञान–डॉ0 सत्येन्द्र

(c) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी–बंगला)

इकाई एक : तुलनात्मक अध्ययन– अवधारणा, परिभाषा, क्षेत्र–विस्तार, इतिहास विकास, विधि–प्रविधि, तुलनात्मक अध्ययन के प्रकार– (भेद–प्रभेद) तुलनात्मक अध्ययन की उपादेयता, अध्येता से अपेक्षा, सावधानियाँ, उपलब्धियाँ, सीमाएँ, हिन्दी बंगला साहित्य की तुल्यधर्मिता के समान बिन्दु, बंगला पर हिन्दी प्रभाव के कारण, तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका (काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद में समस्याएँ), समेकित भारतीय साहित्य की अवधारणा, भाषायी सौहार्द और राष्ट्रीय भावैक्य में तुलनात्मक साहित्य का योगदान।

इकाई दो : हिन्दी बंगला प्राचीन एवं मध्ययुगीन साहित्य, हिन्दी–बंगला का आरंभिक साहित्य (सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य) चर्यागीत, आख्यानक काव्य, मंगल काव्य (मनसा मंगल, चण्डी मंगल, धर्म मंगल आदि), पांचाली साहित्य, विद्यापति और चण्डीदास के काव्य की तुलना, बाउल कवि। हिन्दी भक्त

कवियों का बंगला भक्त कवियों पर प्रभाव (भाषागत और भावगत), ब्रजबुलि साहित्य, हिन्दी–बंगला कृष्ण भक्ति परम्परा उत्तर भारत के कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय और बंगला के कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय (राधबल्लभ सम्प्रदाय, बल्लभ सम्प्रदाय, सखी सम्प्रदाय, निम्बार्क सम्प्रदाय,चैतन्य सम्प्रदाय, सहजिया सम्प्रदाय)।

इकाई तीन : हिन्दी–बंगला रामभक्ति परम्परा–रामभक्ति के विकास में कृतिवासी रामायण और मानस का प्रदेय, कृतिवादी रामायण और मानस की तुलना (चरित्रचित्रणगत और कथावस्तु), कृतिवास और तुलसी के राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, रावण, कौशल्या, कैकेयी आदि, हिन्दी–बंगला प्रेमाख्यानक काव्य–जायसी का पद्मावत और आलाऑल की पद्मावती।

इकाई चार : आधुनिक हिन्दी बंगला काव्य साहित्य–रवीन्द्रनाथ टैगोर पर कबीरदास का प्रभाव, टैगोर और हिन्दी के छायावादी कवि, माइकेल मधुसूदन दत्त और उनका पात्र परिकल्पना, मैथिलीशरण गुप्त का मेघनाथ वध का अनुवाद कितना सफल, कृतिवास और निराला की शक्तिपूजा, काजी नजरूल इस्लाम और हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा, सुभाष मुखोपाध्याय और हिन्दी नवगीत/नव काव्यधारा।

इकाई पाँच : आधुनिक हिन्दी बंगला गद्य साहित्य–आधुनिक हिन्दी बंगला कथा साहित्य, शरतन्द्र और प्रेमचन्द्र (औपन्यासिक कला, पात्र परिकल्पना), शरत और अन्य हिन्दी उपन्यासकार –जैनेन्द्र, इलाचन्द्र जोशी, अज्ञेय आदि, शरद के नारी पात्र, आधुनिक हिन्दी बंगला कहानी साहित्य, सत्यजीत राय, आशापूर्ण देवी, महाश्वेता देवी का रचना संसार बंकिमचंद्र का सृजन, हिन्दी बंगला बाल साहित्य, हिन्दी बंगला प्रारंभिक नाट्य आन्दोलन, जात्रा साहित्य, गीति नाट्य भारतेन्दु और माइकेल का नाट्य साहित्य, प्रसाद और द्विजेन्द्रलाल राय के नाटक, प्रसादोत्तर–रवीन्द्रोत्तर नाट्य प्रवृत्तियाँ प्रसाद की ध्रुवस्वामिनी तथा राखालदास की ध्रुवा की तुलना, हिन्दी बंगला नव नाट्यान्दोलन, मोहन राकेश और बादल सरकार।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. भारतीय वांड्मय– डॉ0 नागेन्द्र
2. समेकित भारतीय साहित्य–डॉ0 नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य– डॉ0 इन्द्रनाथ चौधरी

(D) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी–तमिल)

इकाई एक : तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और महत्त्व, तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि एवं प्रक्रिया तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ और समाधान, तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका, तुलनात्मक अध्ययन और राष्ट्रीय भावैक्य, समेकित भारतीय साहित्य की अवधारणा।

इकाई दो : द्रविड भाषा परिवार, हिन्दी–तमिल का भौगोलिक क्षेत्र, हिन्दी–तमिल साहित्य का काल–विभाजन, हिन्दी साहित्य के आदिकाल तथा तमिल साहित्य के आरम्भिक युग का प्रवृतिगत वैशिष्ट्य।

इकाई तीन : मीरा और आण्डाल (भक्तिभावना, विरह वेदना), तिरुवल्लुवर और कबीर/तुलसी/बिहारी, सूरदास और पेरियारवाल का वात्सल्य भाव,

कुलशेखर आलवर और रसखान की भक्तिभावना, पृथ्वीराज रासो और कलिंगपुपरिण, शिलप्पदिकारम्, रामचरितमानस और कम्बरामायण, हिन्दी–तमिल साहित्य का स्वर्णयुग, दिव्यप्रबंधम्, पांचाली शपदम, तोलकाप्पियम, औवैयार, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा।

इकाई चार : हिन्दी – तमिल नई कविता : स्वरूप और विशेषताऐं, हिन्दी–तमिल कविता में राष्ट्रीय भावना, हिन्दी–तमिल कविता में प्रगतिवादी स्वर, मैथिलीशरण गुप्त और सुब्रह्मण भारती (नारी भावना, राष्ट्रीय चेतना), समकालीन हिन्दी–तमिल कविता की प्रवृत्तियाँ, भारतीदासन।

इकाई पाँच : हिन्दी–तमिल कहानी का प्रवृत्तिगत परिचय, हिन्दी साहित्य–तमिल के आधुनिक नाट्य साहित्य की विशेषताएँ, वृन्दावनलाल वर्मा और कल्कि का उपन्यासकार व्यक्तित्व, कण्णदासन, कहानीकार प्रेमचद और पुदुमैपितन, हिन्दी–तमिल पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी–तमिल निबंध साहित्य, हिन्दी–तमिल आलोचना साहित्य, हिन्दी–तमिल लोकनाटक, हिन्दी–तमिल नीति साहित्य, हिन्दी–तमिल बाल साहित्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. भारतीय वांङ्मय– डॉ0 नागेन्द्र
2. समेकित भारतीय साहित्य–डॉ0 नगेन्द
3. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य– डॉ0 इन्द्रनाथ चौधरी
4. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ0 रामछबीला त्रिपाठी

([illegible]) रंगमंच विज्ञान

इकाई एक : भारतीय रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास, रंगमंच के तत्त्व, रंगमंच के प्रकार (भारतीय एवं पाश्चात्य) लोकमंच का स्वरूप, पारम्परिक लोकनाट्य रूप–रामलीला, रामलीला, स्वांग, नौटंकी, बिदेसिया, भारतीय रूपक के भेद (सामान्य परिचय)।

इकाई दो : अभिनय की परिभाषा, भरत निर्दिष्ट अभिनय के प्रकार, पाश्चात्य रंग चिन्तक, स्तानिस्लावस्की एवं ब्रेख्त के अभिनय सिद्धान्त।

इकाई तीन : भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्त्वों का विवेचन। नाटक और रंगमंच का अंतः सम्बन्ध। दृश्य सज्जा के प्रकार, रंगदीपन और उसके प्रमुख उपकरण।

इकाई चार : अजातशत्रु (जयशंकर प्रसाद), लहरों के राजहंस (मोहन राकेश) से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई पाँच : कौमुदी महोत्सव (डॉ0 रामकुमार वर्मा), अंधायुग (डॉ0 धर्मवीर भारती) से आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास– दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक : रंग और दिशाएं– गिरीश रस्तोगी
3. प्रसाद के नाटकों में संवादीय संरचना–सिद्धनाथ कुमार
4. नाटक का रंग विधान– विश्वनाथ त्रिपाठी
5. नाट्यालोचना के सिद्धान्त–सिद्धनाथ कुमार
6. देह भाषा– प्रो0 अलका पाण्डेय

HINIER-301 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई – 1	हिन्दी के विभिन्न रूप – संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, मातृभाषा, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, प्रारूपण।
इकाई – 2	पारिभाषिक शब्दावली, हिन्दी शब्द संपदा, पत्रकारिता : स्वरूप, प्रकार एवं इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादकीय लेखन।
इकाई – 3	मीडिया लेखन – श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्-घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज, दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, विज्ञापन की भाषा।
इकाई – 4	हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर परिचय, इंटरनेट संबंधी उपकरणों का परिचय, लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना तथा प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोड तथा अपलोडिंग, हिन्दी के साफ्टवेयर पैकेज।
इकाई – 5	अनुवाद का स्वरूप एवं प्रकार, साहित्यिक अनुवाद, कविता, कहानी और नाटक। अनुवाद के सिद्धान्त, अनुवाद के गुण।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी– डॉ0 रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. हिन्दी विविध व्यवहारों की भाषा–सुवास कुमार
3. प्रयोजनी हिन्दी–प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित
4. अनुवाद के सिद्धान्त और प्रयोग–डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएं– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
6. मीडिया लेखन कला–प्रो0 रमेशचन्द्र त्रिपाठी, प्रो0 पवन अग्रवाल

HINCC-401 हिन्दी आलोचना साहित्य

इकाई एक : हिन्दी आलोचना का स्वरूप, हिन्दी आलोचना का इतिहास–शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना, शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना, स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी आलोचना।

इकाई दो : हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियाँ– काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्री, संरचनावादी, शैली वैज्ञानिक, नई समीक्षा, तुलनात्मक।

इकाई तीन: हिन्दी आलोचना– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे बाजपेयी। समीक्ष्य कृति–त्रिवेणी (आचार्य शुक्ल), कबीर (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)।

इकाई चार : हिन्दी आलोचक– डॉ० नगेन्द्र, डॉ० रामाविलास शर्मा, डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी। समीक्ष्य कृति–भाषा और समाज (डॉ० रामविलास शर्मा), रस सिद्धान्त (डॉ० नगेन्द्र)।

इकाई पाँच : हिन्दी आलोचक– डॉ० नामवर सिंह, निर्मला जैन, डॉ० वीर भारत तलवार। समीक्ष्य ग्रन्थ : दूसरी परंपरा की खोज (नामवर सिंह), कथा–समय में तीन हमसफर (निर्मला जैन), रस्साकशी (वीर भारत तलवार)।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द–डॉ० बच्चन सिंह
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना– डॉ० रामविलास शर्मा
3. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– शिवकुमार मिश्र
4. हिन्दी आलोचना–विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ– निर्मला जैन
6. आलोचना की सामाजिकता–मैनेजर पाण्डेय

HINCC-402 **तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान**

इकाई – 1	भाषा की परिभाषा, प्रकृति, भाषाविज्ञान : स्वरुप एवं व्याप्ति। साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता। भाषाविज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ – वर्णात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषा विज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, संरचनात्मक भाषाविज्ञान।
इकाई – 2	स्वन विज्ञान का स्वरुप और परिभाषा, वाग्वयव और उनके कार्य , स्वन की अवधारणा , स्वन का वर्गीकरण, मान स्वर। अर्थ विज्ञान का स्वरुप, अर्थ की अवधारणा, शब्द और पद, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
इकाई – 3	रूप विज्ञान का स्वरूप, वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव, वाक्य संरचना।
इकाई -4	हिन्दी का विकास और हिन्दी की उपभाषाएँ – पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी आदि का सामान्य परिचय, खड़ी बोली, ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी की विशेषताएँ।
इकाई – 5	देवनागरी लिपि : उद्भव-विकास,विषेशताएँ एवं वैज्ञानिकता। मानक हिन्दी एवं हिन्दी – मानकीकरण की समस्या।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान–डॉ0 राजमणि शर्मा
3. मानक हिन्दी का स्वरूप–डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. हिन्दी वर्तनी की समस्याएं– डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषा : उद्‌भव विकास और रूप– डॉ0 हरदेव बाहरी

HINEL-401 (A) स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. स्वरूप, सिद्धान्त और दर्शन–
   - स्त्री विमर्श और नारीवाद : स्वरूप और परिभाषा
   - स्त्री मुक्ति आन्दोलन और स्त्री विमर्श– ऐतिहासिक रूपरेखा
   - भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री–प्रश्न
   - वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्त्री सशक्तीकरण : दशा और दिशा

2 कविता–

(क) सुधा अरोड़ा –
- क्या इसीलिए होती हैं माएं धरती से बड़ी
- धूप तो कब की जा चुकी है
- हर स्त्री एक जलता हुआ सवाल होती है
- माँ तुम उदास मत होना
- इंतजार

(ख) सुशीला टाकभौरे–
- स्त्री
- युगचेतना
- तुमने उसे कब पहचाना
- जानकी जान गयी है
- विद्रोहिणी

(ग) आदिवासी कवियित्रियाँ–
- निर्मला पुतुल– इतनी दूर मत ब्याहना बाबा, चुर्का सोरेन
- ज्योति लकड़ा– सपना, टोनही, तुम्हारा डर

3. उपन्यास–
- शेष यात्रा– उषा प्रियंवदा
- इदन्नमम–मैत्रेयी पुष्पा

4. कहानी–
- बादलों के घेरे– कृष्णा सोबती
- त्रिशंकु– मन्नू भण्डारी
- ततइया– नासिरा शर्मा
- एक पत्नी के नोट्स– ममता कालिया
- चूहे को चूहा ही रहने दो– मधु कांकरिया

इकाई– 1	निर्धारित कविताओं से व्याख्याएँ।
इकाई– 2	निर्धारित कथा–साहित्य से व्याख्याएं।
इकाई– 3	निर्धारित पाठ्यक्रम के खण्ड–1 पर आधारित दीर्घ प्रश्न।
इकाई– 4	निर्धारित कविताओं पर आधारित दीर्घ प्रश्न।
इकाई– 5	निर्धारित कथा साहित्य पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. स्त्री उपेक्षिता : अनु0 – प्रभा खेतान

2. उपनिवेश में स्त्री– प्रभा खेतान
3. आदमी की निगाह में औरत– डॉ० राजेन्द्र यादव
4. अतीत होती सदी और स्त्री का अधिकार– राजेन्द्र यादव, अर्चना वर्मा
5. भविष्य का स्त्री विमर्श – ममता कालिया
6. मेरो दर्द न जाने कोय– प्रो० रीता चौधरी
7. स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य– डॉ० के० एम० मालती
8. साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छवास– रोहिणी अग्रवाल

HINEl-401 (B) हिन्दी पत्रकारिता और संपादन कला

इकाई एक : पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, स्वरूप, भारत में पत्रकारिता का उद्भव विका और उत्कर्ष काल, पत्रकारिता का आरम्भ, अंग्रेजी समाचार पत्र, स्वतन्त्रता से पूर्व हिन्दी पत्रकारिता। 1X14=14

इकाई दो : स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता का व्यावहारिक पक्ष, समसामयिक पत्रकारिता की स्थिति, हिन्छी की प्रतिनिधि पत्र–पत्रिकाओं और विशिष्ट पत्रकारों का परिचय।

इकाई तीन : संचार, जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, संचार प्रक्रिया के तत्त्व, जनसंचार माध्यम के विविध रूप, संचार माध्यमों की भाषा–समाचार पत्रो की भाषा, रेडियो की भाषा और दूरदर्शन की भाषा, इन्टरनेट और हिन्दी भाषा, खोजी पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, वेब पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता।

इकाई चार : समाचार : अर्थ, अवधारणा, परिभाषा, प्रकार, समाचार के स्रोत, समाचार के तत्त्व, समाचार के मूल्य, समाचार विश्लेषण, समाचार एजेंसियों का इतिहास एवं कार्य, समाचार पत्र संपादन–सिद्धान्त एवं स्वरूप, संपादकीय पृष्ठ एवं संपादकीय लेखन, पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन, फीचर, साक्षात्कार, समीक्षा, यात्रा–वृतांत, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, पटकथा लेखन, डाक्यूमेन्ट्री–डाक्यूड्रामा लेखन, स्तम्भ लेखन की नई पद्धतियाँ।

इकाई पाँच : मुक्त प्रेस की अवधारणा, जनसंचार माध्यमों में हिन्दी का प्रयोग सामर्थ्य एवं सीमाएँ, वाक स्वातन्त्र्य और प्रेस सम्बन्धी अधिनियम–आचार संहिता, मानहानि, न्यायालय अवमानना स्वत्त्वाधिकार, पंजीयन, प्रेस आयोग, प्रेस परिषद् और प्रसार भारती।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास– डॉ0 अजुन तिवारी
2. स्वतन्त्रता आन्दोलन और हिन्दी पत्रकारिता–डॉ0 अर्जुन तिवारी
3. पत्रकारिता के विविध रूप– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
4. पत्रकारिता के सिद्धान्त – डॉ0 रमेशचन्द्र त्रिपाठी
5. समाचार संरचना और प्रकृति–डॉ0 पवन अग्रवाल

HINMT-401 लघुशोध प्रबन्ध (न्यूनतम 100 पृष्ठ) और उस पर आधारित मौखिकी

HINIRA-401

आधुनिक भारतीय साहित्य (हिन्दी में अनुदित रचनाओं पर आधारित)

1. भारतीय साहित्य : स्वरूप एवं अवधारणाएँ
   - भारतीय साहित्य का स्वरूप
   - भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
   - भारतीय साहित्यमें आज के भारत का बिंब
   - हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति
2. कविता
   - सुनील गंगोपाध्याय (बांग्ला)– थोडी सी प्यार की बातें
   - कण्णदासन (तमिल)– कवि अनुभूति
   - जी0 शंकर कुरुप (मलयालम)–बाँसुरी
   - नारायण सुर्वे (मराठी)– मुश्किल होता जा रहा है।
   - सीताकान्त महापात्रा (उड़िया) – कवि कर्म
   - श्री श्री (तेलुगु)– मैं ने भी
3. उपन्यास :
   - रवीन्द्रनाथ टैगोर (बांग्ला)– गोरा
   - प्रतिभा राय (उडिया)– द्रौपदी
4. कहानी
   - कुर्रतुल–एन–हैदर (उर्दू)– अगले जन्म मोहि बिटिया ही कीजो
   - एम0टी0 वासुदेव नायर (मलयालम)– दुश्मन
   - इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)–एक अविस्मरणीय यात्रा
5. नाटक
   - विजय तेन्दुलकर (मराठी) – घासीराम कोतवाल
   - गिरीश कर्नाड (कन्नड़)–हयवदन

इकाई 1 :	व्याख्या–खण्ड 2 एवं 3
इकाई 2 :	व्याख्या– खण्ड 4 एवं 5
इकाई 3 :	खण्ड 1 से आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 4 :	खण्ड 2 एवं 3 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 5 :	खण्ड 4 एवं 5 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ –

1. समेकित भारतीय साहित्य–डॉ0 नगेन्द्र
2. तुलनात्मक साहित्य–डॉ0 नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य– डॉ0 इन्द्रनाथ चौधरी
4. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ0 रामछबीला त्रिपाठी